Title: Coserving the Phari Mandir and declaring the Fansi Tungari as National Monument in Jharkhand.

श्री संजय सेठ (राँची): सभापति महोदय, भारत में ऐसे बहुत कम स्थान हैं, जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है । वैसा स्थान झारखंड की राजधानी राँची के मध्य में एक पहाड़ी मंदिर है, जहां भगवान शिव वास करते हैं । उस पहाड़ी मंदिर का ऐतिहासिक महत्व इसलिए भी है कि वहाँ आदिवासी समाज भी पूजा करते हैं । स्वतंत्रता संग्राम में वहां फांसी भी दी गई, इसीलिए उसे फांसी टुंगरी भी कहते हैं । वर्तमान में उसकी स्थिति खराब है । नीतीश प्रियदर्शी जो पर्यावरणविद है, उनका कहना है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिन बहुत कठिन होंगे । वह मंदिर घनी बस्ती के बीच में है ।

महोदय, मेरी भारत सरकार से मांग है कि उसको चट्टान से बांधा जाए, घेराबंदी की जाए और उसे लोहे के जाल से भी बांधा जाए । मेरी भारत सरकार से मांग है कि इसके राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए, राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर उसको संरक्षित किया जाए ।

झारखंड और रांची की जनता उसको अभिभावक के रूप में मानती है । उसकी जर्जर स्थिति को देखते हुए आने वाले दिनों में कोई कठिनाई नहीं हो, इसके लिए अविलम्ब कदम उठाने चाहिए । वहां के अखबार लगातार सरकार को सचेत कर रहे हैं, लेकिन राज्य की सरकार सुन नहीं रही है ।

महोदय, मेरा सदन और भारत सरकार से आग्रह है कि इस पर तुरंत आवश्यक कदम उठायें ।